

MAHD-09

December - Examination 2019

MA (Final) Hindi Examination

लोक साहित्य

Paper - MAHD-09**Time : 3 Hours]****[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड - 'अ'**8 × 2 = 16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

- (i) लोकसंस्कृति संस्थान 'रूपायन' की स्थापना किसने की?
- (ii) 'ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन; (1948 ई.) पुस्तक के रचयिता कौन हैं?
- (iii) 'बाताँ री फुलवाड़ी' कहानी संकलन किस लोक साहित्य के विद्वान की देन है? नाम लिखिए।
- (iv) लोकगाथा किसे कहते हैं?

- (v) 'बीकानेर की रम्मत' लोक साहित्य की किस विधा से सम्बन्धित है?
- (vi) लोककथा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (vii) तेरहताली नृत्य किस तरह प्रस्तुत होता है? संक्षेप में लिखिए।
- (viii) गोगानवमी हिन्दू पंचाग में किस माह और तिथि को मनाई जाती है?

खण्ड - ब

4 × 8 = 32

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

- 2) लोकवार्ता का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके लोक साहित्यिक स्तर पर प्रकाश डालिए।
- 3) राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्येयताओं के अध्ययन का वैशिष्ट्य बताइए।
- 4) 'लोकगीत' अखण्ड रस के स्रोत होते हैं। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
- 5) लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में अन्तर लिखिए।
- 6) राजस्थान के प्रमुख लोकनृत्यों पर प्रकाश डालिए।
- 7) भोजपुरी लोकसाहित्य के महत्त्व को समझाइए।
- 8) खड़ी बोली के लोकनाट्य रूपों का वर्णन कीजिए।
- 9) लोकसाहित्य के संकलन की प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

- 10) लोकनृत्य के उद्भव और विकास का उल्लेख करते हुए राजस्थान के प्रमुख लोकनाट्य रूपों का वर्णन कीजिए।
- 11) 'ब्रजलोक साहित्य' पर एक लेख लिखिए।
- 12) खड़ीबोली के लोकगीतों की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।
- 13) राजस्थानी लोकगाथाओं के प्रमुख लक्षणों का उल्लेख करते हुए 'तेजाजी' लोकगाथा पर प्रकाश डालिए।
